Regarding use of language by BJP Member

श्री गौरव गोगोई **(**जोरहाट**) :** अध्यक्ष महोदय, हम आपसे रूलिंग मांगते हैं । ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** प्रश्न संख्या 41**.**

? (व्यवधान)

श्री गौरव गोगोई **:** पिछले दिन जो हुआ, भाजपा के एक सांसद द्वारा जिस प्रकार की भाषा का प्रयोग किया गया? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** ठीक है, आप बैठिये ।

? (व्यवधान)

श्री गौरव गोगोई **:** हम आपसे रूलिंग मांगते हैं । ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** संसदीय कार्य मंत्री जी, कुछ बता रहे हैं ।

? (व्यवधान)

श्री गौरव गोगोई**:** एक मंत्री ने कुछ नहीं बोला । ? (व्यवधान) उन्होंने खेद प्रकट नहीं किया, कुछ नहीं बोला । ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** ठीक है, आप बैठिये ।

? (व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्री**;** तथा अल्पसंख्यक कार्य मंत्री **(**श्री किरेन रिजिजू**) :** अध्यक्ष महोदय, हम सब लोग इस महान सदन के सदस्य हैं और आप इसको प्रिसाइड करते हैं । कोई भी सदस्य यदि ऐसी टिप्पणी करता है, जिससे सदन की गरिमा को चोट पहुंचती है, तो यह सब के लिए अत्यंत दु:खद घटना है । आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि चाहे सत्ता पक्ष का सदस्य हो या विपक्ष का सदस्य हो, कोई भी सदस्य हो**,** इस तरह की टिप्पणी या भाषा का इस्तेमाल करता है, जो संसदीय परम्परा में परमिसिबल नहीं है और सदन की गरिमा को चोट पहुंचती है तो आप समय-समय पर कार्रवाई करते ही हैं । उसको सदन की कार्यवाही से बाहर निकालने के साथ-साथ आपके पास पावर है, आपके पास अथॉरिटी है कि कोई भी सदस्य यदि इस तरह का व्यवहार करेगा तो उसके ऊपर उचित कार्रवाई या उचित टिप्पणी करने का भी अधिकार माननीय अध्यक्ष जी के पास है । मैं सरकार की ओर से यह कहना चाहता हूं, मैं डिटेल में नहीं कह रहा हूं**,** मैं कल यहां सदन में नहीं था, मैं राज्य सभा में गया हुआ था । जब मैं आया तो यह घटना हुई । ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** प्लीज आप उनको पूरी बात बोलने दीजिए ।

? (व्यवधान)

श्री गौरव गोगोई **:** जो कार्रवाई करनी थी, वह आप नहीं कर पाए । ? (व्यवधान)

श्री किरेन रिजिजू **:** मैं चाहता तो मैं डिफेंड कर सकता हूं, मैं कोई टिप्पणी नहीं कर रहा हूं । मैं टिप्पणी नहीं करना चाहता हूं । मैं सिर्फ इतना ही कह रहा हूं कि हमारे किस मैम्बर ने प्रोवोक किया, मैं उसमें नहीं जा रहा हूं । मैं इतना ही कह रहा हूं कि अगर सदन में उचित वक्तव्य नहीं दिया गया है, तो उचित कार्रवाई करने का अधिकार माननीय स्पीकर महोदय के पास है और उचित कार्रवाई माननीय स्पीकर साहब जरूर करें । ? (व्यवधान)

श्री कल्याण बनर्जी **(**श्रीरामपुर**):** इन्होंने जनरल बोल दिया है । ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** आप बैठिये ।

प्रश्न संख्या 41 **?** डॉ**.** प्रदीप कुमार पाणिग्रही जी ।

? (व्यवधान)

SHRI KALYAN BANERJEE: This kind of a person was the Judge of a High Court**!** It is a very unfortunate thing ? (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष **:** आप मेरी रूलिंग सुनिये । मैं रूलिंग दे रहा हूं । आप बैठिये ।

? (व्यवधान)

डॉ**.** प्रदीप कुमार पाणिग्रही **(**बरहामपुर**):** सर, क्वेश्चन नंबर 41.

माननीय अध्यक्ष **:** प्लीज आप बैठिये ।

? (व्यवधान)

श्री गौरव गोगोई **:** अध्यक्ष महोदय, क्या आप कार्रवाई करेंगे? ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्यगण, इस सदन की बहुत मर्यादा है, उच्च परंपरा रही है, परिपाटी रही है । हम सब का सौभाग्य है कि मैं 18 वीं लोक सभा के अंदर हूं और जनता ने चुनकर भेजा है । मेरा सभी लोगों से आग्रह है, चाहे सत्ता पक्ष हो या प्रतिपक्ष हो या बीच के सदस्य हों, सभी माननीय सदस्य सदन के अंदर अपनी बात को कहें, चर्चा में भाग लें, मर्यादा रखें । कोई ऐसी टिप्पणी न करें, जो सदन की मर्यादाओ के अनुकूल न हो और संसदीय परंपराओं के अनुकूल न हो । हम और कोशिश करें कि इस सदन में उच्च कोटि की परंपरा बने, परिपाटी बने । लोग चर्चा करें कि 18 वीं लोक सभा के अंदर चुने हुए माननीय सदस्यों ने इस सदन की गरिमा को बढ़ाया, मर्यादा को बढ़ाया । इसकी मर्यादा, प्रतिष्ठा को बढ़ाया और दुनिया के अंदर भारत के लोकतंत्र की जिस तरह की प्रतिष्ठा है, वैसी परम्परा बनी है ।

मैं सभी माननीय सदस्यों से आग्रह करूँगा कि ऐसे शब्दों को हम एक्सपंज तो कर ही देते हैं, लेकिन उसके साथ-साथ भविष्य में ऐसा कोई भी शब्द या कोई भी बात न तो बैठे-बैठे टिप्पणी करें, न ही अपने भाषण के अन्दर टिप्पणी करें ।

मैं आपसे एक और आग्रह करूँगा कि कभी आसन से बहस और चुनौती देने का काम भी न करें । आपसे पुन: आग्रह करता हूँ कि हम आसन और सदन की जितनी गरिमा रखेंगे, उतनी ही प्रतिष्ठा आप लोगों की भी अपने-अपने क्षेत्रों में बढ़ेगी । इस संसद के अन्दर बोलने वाले?

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** मैंने कह दिया है और भविष्य के लिए चेतावनी दे दी है ।

? (व्यवधान)

श्री गौरव गोगोई**:** खेद प्रकट करने के लिए नहीं कहा ।? (व्यवधान) मंत्री जी ने खेद प्रकट किया । ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** मैंने पूरे सदन से कह दिया है । फिर ऐसी बात नहीं है । मैंने आपको बता दिया ।

? (व्यवधान)

श्री कल्याण बनर्जी**:** हम लोग आपसे रिक्वेस्ट करते हैं**,** आप थोड़ा उनको इंटिमेट कीजिए ।? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** ठीक है ।